

वीणा उपाध्याय, भा.प्र.से.
Veena Upadhyaya, I.A.S.
सचिव
Secretary

JS(FS)



R. 160
2/6/11

JS(FS)/OIA//

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
गृह मंत्रालय
MINISTRY OF HOME AFFAIRS
राजभाषा विभाग
DEPARTMENT OF OFFICIAL LANGUAGE

D.O.No.11014/152011-OL(Patrika)

25th May, 2011

840/DCCH
7/6/11
Dear Dr. Dider Singh,

The Department of Official Language, Ministry of Home Affairs brings out its quarterly in-house magazine entitled 'Rajbhasha Bharati' with the objective of propagation of Hindi, the official language of the country. The journal carries articles on a variety of subjects by a number of eminent intellectuals. The journal has a wide circulation across the country.

2. The undersigned had represented the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs in the celebrations held to mark the World Hindi Day by the World Hindi Secretariat, Mauritius between 10th-12th January, 2011. The Tour Note submitted by me to the Hon'ble Home Minister contained some suggestions which had received the Minister's approval.

2.1 The suggestions contained in the said Tour Report which received the Minister's approval also included the following two proposals:

- (a) Incorporation of a separate section for articles written by Overseas Indians and Persons of Indian Origin (PIOs) in the Department's quarterly in-house journal 'Rajbhasha Bharati'.
- (b) Inclusion of the books in Hindi written by the persons belonging to the above-said two categories in the list of books selected on the basis of qualitative excellence, and drawn up by the constituted Committee on behalf of the Department of Official Language for recommended procurement by the Libraries of the Central Government organisations.

3. You will kindly agree that it is imperative to have a wide publicity of this new initiative so as to have the desired response from the prospective contributors of articles for the Department's journal, and from the authors of books in Hindi from among the OIs and the PIOs.



कमरा सं. 13-बी, द्वितीय तल, लोक नायक भवन, खान मार्केट, नई दिल्ली-110003, दूरभाष सं. : 24631573, फैक्स : 24648559,
ई-मेल: secy-ol@nic.in वेबसाईट: http://www.rajbhasha.gov.in

Room No. 13-B, 2nd Floor, Lok Nayak Bhawan, Khan Market, New Delhi-110003, Tel. No. : 24631573, Fax : 24648559
E-mail: secy-ol@nic.in Website : http://www.rajbhasha.gov.in

4. On our part, we are uploading this information on our Department's website rabbhasha.gov.in. I solicit active assistance and facilitation from the Ministry of Overseas Indian Affairs for an effective dissemination of this information. The said information may kindly be uploaded on the website of the Ministry of Overseas Indian Affairs in a prominent manner. Additionally, the information may also be circulated among registered local societies/ federations/organizations set up by OIs and PIOs in countries which have sizeable diaspora. The said entities may also be requested to carry this information through the columns of any in-house publication by way of a Newsletter or a periodical magazine brought out by them.

5. I shall be grateful for your acceding to the request made herein.

the letter is enclosed.
Regards

End: one

Dr. A. Didar Singh
Secretary,
Ministry of Overseas Indian Affairs,
Akbar Bhavan,
New Delhi

Yours sincerely,

Upadhyaya
25-5-11
(Veena Upadhyaya)



प्रिप डा० दीदार सिंह,

अ.शा.पत्र सं. 11014/15/2011-रा.भा.(प.)

दिनांक मई, 2011

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय देश की राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से "राजभाषा भारती" नामक त्रैमासिक गृह पत्रिका प्रकाशित करता है। इस पत्रिका में अनेक लब्ध-प्रतिष्ठ विद्वानों द्वारा विभिन्न विषयों पर लेख शामिल होते हैं। यह पत्रिका पूरे देश में व्यापक रूप से परिचालित की जाती है।

2. अधोहस्ताक्षरी ने विश्व हिंदी सचिवालय, मारीशस द्वारा मारीशस में दिनांक 10-12 जनवरी, 2011 के बीच विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित समारोहों में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय का प्रतिनिधित्व किया था। मैंने कुछ सुझाव देते हुए माननीय गृह मंत्री जी को अपने भ्रमण के आधार पर रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, जिस पर गृह मंत्री जी द्वारा स्वीकृति दी गई थी।

2.1 उक्त भ्रमण रिपोर्ट में समाविष्ट सुझावों, जिन पर माननीय मंत्री जी का अनुमोदन प्राप्त है, निम्नलिखित प्रस्ताव भी शामिल थे :-

(क) विभाग की त्रैमासिक पत्रिका 'राजभाषा भारती' में प्रवासी भारतीयों और भारतीय मूल के व्यक्तियों द्वारा लिखित लेखों के लिए एक नियमित स्तंभ शामिल किया जाना।

(ख) उपर्युक्त दोनों श्रेणियों के व्यक्तियों द्वारा हिंदी में लिखित पुस्तकों को उत्तम गुणवत्ता के आधार पर चयनित पुस्तकों और केंद्रीय सरकार के संगठनों के पुस्तकालयों द्वारा संस्तुत खरीद हेतु राजभाषा विभाग की ओर से गठित समिति द्वारा तैयार की गई सूची में शामिल किया जाना।

3. आप कृपया सहमत होंगे कि इस नई पहल के व्यापक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता है ताकि विभाग की पत्रिका के लिए लेखों के संभावित रचनाकारों और प्रवासी भारतीयों तथा भारतीय मूल के लेखकों की हिंदी में लिखित पुस्तकें अपेक्षित रूप से प्राप्त हो सकें।

4. हम इस सूचना को अपने विभाग की वेबसाइट rajbhasha.gov.in पर भी डाल रहे हैं। इस सूचना के प्रभावी प्रसार हेतु प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय से सक्रिय सहायता और सहयोग प्रार्थित है। कृपया इस सूचना को प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय की वेबसाइट पर प्रमुखता देते हुए डाला जाए। साथ ही, जिन देशों में प्रवासी भारतीयों और भारतीय मूल के लोगों की पर्याप्त संख्या है वहां के पंजीकृत स्थानीय सोसायटियों/परिसंघों/संगठनों से इस सूचना को उनके द्वारा प्रकाशित किए जाने वाले गृह प्रकाशन यथा न्यूजलेटर अथवा आवधिक पत्रिका को स्तंभों के माध्यम से भी प्रसार करने का अनुरोध किया जाए।

5. मैं इस पत्र में किए गए अनुरोध के लिए आपके सहयोग हेतु आभारी रहूंगी।

सहभाषा

भवदीया,
वीणा उपाध्याय
27-5-11
(वीणा उपाध्याय)

डॉ. ए.दीदार सिंह,

सचिव,

प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय,

अकबर भवन, नई दिल्ली